6.S.25

पाठ-3

एवरेस्ट मेरी शिखर यात्रा

प्र01. अग्रिम दल का नेतृत्व कौन कर रहा था?

उत्तर अग्रिम दल का नेतृत्व प्रेमचन्द कर रहे थे।

प्र02. लेखिका को सागरमाथा नाम क्यों अच्छा लगा?

उत्तर लेखिका को सागरमाथा नाम अच्छा लगा। क्योंकि सागर के पैर नदियाँ हैं तो सबसे ऊँची चोटी उसका माथा है। और वह एक फूल की तरह दिखाई दे रहा था।

प्र03. लेखिका को ध्वज जैसा क्या लगा?

उत्तर एक बड़ा बर्फ का टुकड़ा पर्वत शिखर पर लहराता हुआ ध्वज जैसा लगा।

प्र04. हिमस्खलन मे कितने लोगों की मृत्यु और कितने घायल हुए?

उत्तर हिमस्खलन में एक की मृत्यु और चार घायल हुए

प्र05. मृत्यु के अवसाद को देखकर कर्नल खुल्लर ने क्या

Page No.
Date

कहाँ?

उत्तर मृत्यु के अवसाद को देखकर कर्नल खुल्लर ने कहा कि एवरेस्ट जैसे महान अभियान में खतरों और कभी-कभी मृत्यु को आदमी सहज भाव स्वीकार करनी पड़ती है।

प्र06. रसोई सहायक की मृत्यु कैसे हुई?

उत्तर जलवायु ~~प्राप्य~~ अनुकूल न होने के कारण रसोई सहायक की मृत्यु हुई।

प्र07 कैंप चार कब और कहाँ लगाया गया?

उत्तर कैंप चार अप्रैल 1984 को 7900 मीटर पर साउथ कोल में लगाया गया।

प्र08. उपनेता प्रेमचंद ने किन स्थितियों से अवगत कराया?

उत्तर अपनेता प्रेमचंद ने खुंभु हिमपात की स्थिति से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि उनके दल ने कैंप एक तक का रास्ता साफ कर दिया उन्होंने यह भी बताया कि पुल बनाकर, रस्सियों बांधकर और

झंडियों से रास्ते पर निशान लगाकर, सभी बड़ी कठिनाईयों का कायदा ले लिया गया उन्होंने यह भी बताया कि हिमपात बिना किसी समय हो सकता है।

प्र०9. नजदीक से एवरेस्ट को देखकर लेखिका को कैसा लगा?

उत्तर नजदीक से एवरेस्ट को देखकर लेखिका भौंचक्की रह गई थी लेखिका को वहाँ से एवरेस्ट और अन्य श्रेणियाँ दिख रही थी। वह ऊँची चोटियों से घिरी टेढ़ी-मेढ़ी नदी को निहार रही थी उसे यह दृश्य हैरान करने वाला लग रहा था।

प्र०10. डॉ० मीनू मेहता ने क्या जानकारियाँ दी।

उत्तर डॉ० मीनू मेहता ने कई महत्वपूर्ण जानकारियाँ दी। उन्होंने अल्युमिनियम की सीढ़ियों से अस्थाई पुल बनाना लट्ठों और रस्सियों का उपयोग, बर्फ की आड़ी-तिरछी दीवारों पर रस्सियों को बांधना और

अग्रिम दल के अभी यांत्रिकी कार्यों के बारे में विस्तार से बताया।

प्र० 11. तेनजिंग ने लेखिका की तारीफ में क्या कहा?

उत्तर तेनजिंग ने बताया कि उन्हें एवरेस्ट पर विजय प्राप्त करने के सात बार चढ़ाई करनी पड़ी थी। उन्होंने कहा कि लेखिका पर्वतीय लड़की है। इस लिए उन्हें यह सफलता एक बार में ही मिल जानी चाहिए।

प्र० 12. लेखिका को किनके साथ चढ़ाई करनी थी।

उत्तर लेखिका को की, जय और मीनू के साथ चढ़ाई करनी थी।

प्र० 13. लोपसांग ने तंबू का रास्ता कैसे साफ किया?

उत्तर लोपसांग ने तंबू का रास्ता साफ करने के लिए स्विस चाइकरों काटना शुरू किया। उन्होंने बड़े-बड़े बर्फ के टुकड़ों को हटाया। उसके बाद उन्होंने बर्फ की खुदाई की बाकी बचेंद्री जाल को

16.7.25

पाठ-3

एवरेस्ट मेरी शिखरयात्रा

प्र०14. साउथ कोल कैंप पहुँच कर लेखिका ने अगले दिन की महत्वपूर्ण चढ़ाई की तैयारी कैसे शुरू की?

उत्तर लेखिका ने खाना, कुकिंग गैस तथा कुछ आक्सीजन सिलिंडर इकट्ठे किए। उन्होंने चाय के लिए पानी गरम किया। एक थरमस में जूस भर लिया।

प्र०15. लेखिका ने शेरपा कुली को अपना परिचय किस तरह से दिया?

उत्तर लेखिका ने शेरपा कुली को अपना परिचय यह कह कर दिया कि वह बिल्कुल ही नौसिखिया है और एवरेस्ट उसका पहला अभियान है।

प्र०16. लेखिका की सफलता पर कर्नल खुल्लर ने कहा, " मैं तुम्हारी ..... ?

उत्तर लेखिका की सफलता पर बधाई देते हुए अन्होंने

उपलब्धि के लिए तुम्हारे माता-पिता को बधाई देना चाहूँगा। देश को तुम पर गर्व है और अब तुम ऐसे संसार मे जाओगी जो तुम्हारी अपने पीछे छोड़ हुए संसार से एक दम अलग होगा।

प्र०17. हिमपात किस तरह होता है? और उससे क्या-क्या परिवर्तन आते है?

उत्तर बर्फ के टुकड़ो का अव्यवस्थित ढंग से गिरना हिमालय कहलाता है। ग्लेशियर के बहन से अक्सर बर्फ मे हलचल हो जाती है। जिससे बर्फ की बड़ी-बड़ी चट्टाने अक्सर गिर जाती है। हिमपात पर्वतारोही को चोट लग जाती है। हिमपात से रास्ता खराब हो जाता है। जिससे पर्वतारोही कई दिन तक फंसे रह सकते है।

प्र०18. लेखिका के तंबू मे गिरे बर्फ पिंड का वर्णन किस तरह से किया गया।

उत्तर लेखिका रात 12:30 पर अपने तंबू में गहरी नींद सो रही थी। तभी एक लम्बा चिज लेखिका के सिर के पहले हिस्से से टकराई और वह जगा गई। एक लंबा टुकड़ा बर्फ के ग्लेशियर से टूट कर कैंप के ऊपर आ गिरा। इससे लेखिका का कैंप नष्ट हो गया। इस से चोट तो सबको लगी लेखिका किसी को हानि नहीं हुई

निकाला जा सके और वे सफल हुए।

प्र०20. एवरेस्ट पर चढ़ने के लिए कुल कितने कैंप बनाए गए उनका वर्णन कीजिए।

उत्तर एवरेस्ट पर चढ़ने के लिए कुल चार कैंप लगाए गए.

कैंप एक - यह समुद्र से छह हजार मीटर की ऊंचाई पर था।

कैंप दो - यह चढ़ाई के रास्ते में था।

कैंप तीन - यह ल्होत्से की सीधी ढलान पर था। यहाँ हिमपिंड लेखिका की तंबू पर गिरा।

कैंप चार - यह समुद्र तल से 7900 सौ मीटर की ऊंचाई पर था इस कैंप को साउथ कोल में लगाया गया था।

21. एवरेस्ट जैसे महान अभियान में खतरों को और कभी-कभी तो मृत्यु भी आदमी को सहज भाव से स्वीकार करनी चाहिए।

उत्तर एवरेस्ट जैसे महान अभियान का मौका अधिकतर लोगों को बड़ी मेहनत के बाद भी जीवन में एक बार ही मिलता है। यह अभियान खतरों से भरा होता है। इसमें जान जाने का पूरा अंदेशा रहता है। ऐसे में अगर कोई घबरा जाए तो फिर वह अभियान को पूरा करने की हिम्मत खो देता है। एवरेस्ट की चढ़ाई का अर्थ है सीधे मौत के मुँह में कदम रखना।

प्र०22. सम्मिलित अभियान में सहायता की भावना का परिचय बचेंद्री के किस कार्य से पता चलता है

उ० बचेंद्री पाल ने कई कार्यों में सहयोग और सहायता की भावना का परिचय दिया। वह अपने साथियों के लिए खाना और चाय बनाती है। वह जितना हो सके सामान ढोती है। वह दुर्घटना के बाद भी घबराती नहीं है। और दूसरों का हौसला बढ़ाती है।